**23** कैदियों की मौत हो गई कोरोना संक्रमण के डर से कोलंबिया की राजधानी बोगोटा के एल मोडेलो जेल में भड़की हिंसा में। इस हिंसा में घायल 32 कैदियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## पोप ने ईसाइयों से 25 को प्रार्थना का किया आह्वान

**वेटिकन सिटी, आइएएनएस :** ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने 25 मार्च (बुधवार) को होने वाली प्रार्थना में ईसाई समुदाय से एकजुटता दिखाते हुए शामिल होने का आह्वान किया है। यह प्रार्थना दुनिया को कोरोना वायरस से मुक्त करने के लिए होगी। पोप ने यह आह्वान रविवार की प्रार्थना के बाद किया। पोप ने कहा, बुधवार को दोपहर में एकजुट होकर हम महान पिता से दया करने के लिए प्रार्थना करेंगे। कोरोना से जूझ रहे उन लोगों से हमें अपनी नजदीकी दिखानी है जो अकेले और परेशान हैं। ऐसे में जबकि पूरी दुनिया महामारी से जूझ रही है तब सभी ईसाइयों का कर्तव्य बन जाता है कि वे एकजुट होकर इतनी तेज आवाज उठाएं कि उसकी गूंज स्वर्ग तक पहुंचे। वहां रहने वाले देवता हमारी प्रार्थना को सुन पाएं। इसके दो दिन बाद शुक्रवार को पोप फ्रांसिस शाम छह बजे वेटिकन के सेंट पीटर्स स्क्वेयर में होने वाली प्रार्थना में शिरकत करेंगे। उन्होंने इससे भी संचार माध्यमों के जरिये जुड़ने का आह्वान किया है।

पोप फ्रांसिस। फाइल

# चीन में बहुत ज्यादा हो सकता है मौत का आंकड़ा

**वाशिंगटन, आइएएनएस :** चीन में कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते हुई मौतों का जो आंकड़ा सामने आ रहा है, उस पर सवाल उठने लगे हैं। कई चीनियों ने मोबाइल फोन यूजर्स की संख्या में भारी गिरावट का हवाला देते हुए दावा किया कि यह आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि चीन में सभी खबरों और सूचनाओं पर सरकार का नियंत्रण होता है।

चीन की सरकार ने वायरस से अब तक 3,270 लोगों की मौत और 81,093 लोगों के वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की है। तीन महीने पहले मध्य चीन के वुहान शहर से कोरोना वायरस फैला था। कई चीनी नागरिकों ने वीडियो और दस्तावेजों के जरिये सरकारी आंकड़ों पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन में बीते तीन माह में 2.1 करोड़ मोबाइल फोन यूजर कम हो गए। न्यूयॉर्क में रहने वाली चीनी ब्लॉगर जेनिफर जेंग ने मोबाइल यूजर्स को लेकर गत 19 मार्च को जारी हुए चीन के सरकारी मासिक डाटा को सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। इस डाटा के अनुसार, सेलफोन यूजर्स की संख्या 1.60 अरब से घटकर 1.58 अरब रह गई है। इसी तरह लैंडलाइन यूजर्स का आंकड़ा 19.83 करोड़ से कम होकर 18.99 करोड़ रह गया है। जेंग ने इशारों में कहा कि ये अकाउंट कोरोना वायरस से हुई मौतों के कारण बंद हो सकते हैं।

**चीन का दावा, 89 फीसद मरीज ठीक हुए :** चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ आयोग ने कहा है कि करीब 89 फीसद कोरोना पीड़ित ठीक हो चुके हैं। देश में एक दिन के अंतराल के बाद फिर कोई नया मामला सामने नहीं आया। जबकि नौ और पीड़ितों ने दम तोड़ दिया।

चीन के वुहान शहर में स्थित चिल्ड्रन अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में नवजात की देखभाल करती नर्स। वुहान शहर से ही जानलेवा कोरोना वायरस की शुरुआत हुई थी। अब पूरी दुनिया में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। एएफपी

### चीनी मोबाइल कंपनियों के यूजर्स घटे

अमेरिका से संचालित स्वतंत्र मीडिया ईपोक टाइम्स ने अपनी खबर में बताया है कि चीनियों के जीवन में सेलफोन कितना अहम है? चीनी मूल के अमेरिकी द्वारा संचालित इस अखबार ने बताया कि चीन में सरकार नियंत्रित उच्च स्तर पर संचार प्रौद्योगिकी की उपयोगिता है। चीन सरकार ने गत वर्ष एक दिसंबर को सेलफोन रखने के लिए फेशियल स्कैन अनिवार्य कर दिया था। अखबार ने चीन की सभी तीनों मोबाइल फोन सेवा प्रदाता कंपनियों के डाटा के हवाले से बताया कि गत दिसंबर में सेलफोन यूजर्स की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई थी। चीन के 60 फीसद मोबाइल मार्केट पर नियंत्रण रखने वाली कंपनी चाइना मोबाइल ने बताया कि देश में फेशियल स्कैन अनिवार्य होने के बाद दिसंबर में 30.73 लाख नए उपभोक्ता जुड़े थे। लेकिन जनवरी में आठ लाख 62 हजार और फरवरी में 72 लाख उपभोक्ता कम हो गए। इसी तरह चाइना टेलीकॉम ने जनवरी में चार लाख तीस हजार और फरवरी में 56 लाख यूजर्स घटने की जानकारी दी।

प्रतीकात्मक फोटो

## वैज्ञानिकों ने 2007 में ही दे दी थी चेतावनी

**नई दिल्ली, आइएएनएस :** कोविड-19 का कहर भले अब टूटा हो, लेकिन वैज्ञानिकों ने 2007 में ही इसे लेकर चेतावनी दे दी थी। उस वक्त वैज्ञानिकों ने कहा था कि खतरनाक वायरस के संक्रमण के मामले में चीन टाइम बम जैसी स्थिति में है। क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी रीव्यूज के मुताबिक 2007 में वैज्ञानिकों ने बताया था, 'हॉर्सशू चमगादड़ों (चमगादड़ की एक प्रजाति) में सार्स जैसे वायरसों की मौजूदगी और दक्षिण चीन में सामान्य से इतर स्तनपायी जीवों को खाने की संस्कृति मिलकर एक टाइम बम बना रहे हैं। खानपान की यह आदत सबसे ज्यादा खतरनाक है। ऐसे में सार्स या अन्य नोवेल वायरस के फिर उभरने की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। इसलिए इसकी तैयारी को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।' कोरोना वायरस में जेनेटिक रीकॉम्बिनेशन की क्षमता भी होती है। इसलिए इनके स्वरूप बदलने और नए संक्रमण का खतरा बना रहता है। करीब 17 साल पहले चीन में सार्स फैला था। पूरी तरह नियंत्रण से पहले इसने दुनियाभर में 8000 से ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था और करीब 800 लोगों की जान चली गई थी।

# स्वास्थ्य सेवाओं में मदद को ब्रिटेन में सेना तैनात

**प्रकोप** ▸ डॉक्टरों को फेस मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरण पहुंचाने में कर रहे सहयोग

### कोरोना संक्रमण से अब तक 281 लोगों की मौत हो चुकी है

**लंदन, एजेंसियां :** अस्पतालों में फेस मास्क जैसे सुरक्षात्मक उपकरणों को पहुंचाने के लिए ब्रिटेन में सेना को लगाया गया है। साथ ही सरकार ने लोगों को घरों में ही रहने और एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने का निर्देश दिया है। सरकार ने कहा कि अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए और कड़े नियम लागू किए जाएंगे। बता दें कि कुछ डॉक्टरों ने संक्रमित मरीजों के इलाज के दौरान फेस मास्क जैसे जरूरी उपकरण नहीं होने की शिकायत की थी। ब्रिटेन में अब तक कोरोना संक्रमण से 281 लोगों की मौत हो चुकी है।

दरअसल, संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ब्रिटिश सरकार कई उपाय अपना रही है, लेकिन मरीजों का इलाज कर रहे मेडिकल स्टाफ ने आवश्यक चिकित्सकीय किटों की कमी की शिकायत की है। उनका कहना है कि वे काम करते हुए सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को लिखे पत्र में इन लोगों ने पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट) की आपूर्ति बढ़ाने को कहा था। संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे छह हजार डॉक्टरों ने कहा है कि उपकरणों की कमी और पुराने हो चुके मास्क लगाकर इलाज करके वह अपना जीवन संकट में डाल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि यह वायरस के खिलाफ युद्ध है और सेना इस काम में डॉक्टरों की पूरी मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 12,000 वेंटिलेटर थे और संक्रमण शुरू होने के बाद सात हजार और वेंटिलेटर का इंतजाम किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार और वेंटिलेटरों का इंतजाम करने में जुटी है। उम्मीद है कि कुछ समय में यह उपलब्ध हो जाएगी। साथ ही मास्क की भी पर्याप्त व्यवस्था करने की कोशिश की जा रही है।

सरकार ने वायरस के खतरे को देखते हुए कई ट्रेनों को रद करने के साथ ही अदालतों में मामलों की सुनवाई को भी टाल दिया है। इसके अलावा सरकार गैर जरूरी दुकानों को भी बंद करने की योजना के बारे में विचार कर रही है। साथ ही लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह भी दे रही है।

कोरोना वायरस के कारण ब्रिटेन के मशहूर पर्यटन स्थल भी सन्नाटे में डूब गए हैं। यह केंद्रीय लंदन का ट्राफल्गर स्क्वायर है। आम दिनों में यहां बेहद चहल-पहल रहती है। इस स्क्वायर पर नेशनल गैलरी और नेल्सन मेमोरियल जैसी मशहूर इमारतें हैं। एएफपी

### मृतकों की संख्या 15,000 से ज्यादा हुई

कोरोना के संक्रमण से मरने वालों की संख्या 15,189 हो गई है। इटली सबसे ज्यादा प्रभावित है। वहां पर 5,476 लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है जबकि चीन में यह संख्या 3,270 है। स्पेन में मरने वालों की संख्या 2182 है। ईरान में 1812 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में मृतकों की संख्या का आंकड़ा 419 पर पहुंच गया है।

| देश | मौतें | संक्रमित |
|---|---|---|
| इटली | 5,476 | 59138 |
| चीन | 3,270 | 81,054 |
| स्पेन | 2,182 | 33,089 |
| ईरान | 1812 | 23,049 |
| अमेरिका | 419 | 33,546 |

### देश में आवाजाही पर इटली में प्रतिबंध

कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए इटली ने रविवार से पूरे देश के अंदर आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा सरकार ने एक आदेश जारी कर सभी गैरजरूरी व्यावसायिक गतिविधियों पर विराम लगा दिया है। सरकार ने कार, कपड़ा और फर्नीचर इंडस्ट्री को बुधवार तक सभी गतिविधियां बंद करने को कहा है। यह प्रतिबंध तीन अप्रैल तक जारी रहेगा। इटली में रविवार को 651 और लोगों की मौत हुई है। इस तरह मृतकों की संख्या 5,476 हो गई है। संक्रमित लोगों की संख्या 5,560 से बढ़कर 59138 हो गई है।

### चीन और क्यूबा ने भेजी मदद

चीन ने इटली की मदद के लिए चिकित्सा उपकरण और डॉक्टर भेजे हैं। वहीं 50 से अधिक क्यूबा के डॉक्टर रविवार को मिलान पहुंचे और अस्पताल में भर्ती मरीजों का इलाज शुरू किया। रूसी सेना ने भी कहा है कि वह राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश के बाद इटली को मदद भेजना शुरू कर देगी।

### स्पेन की उप प्रधानमंत्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया

श्वास नली में संक्रमण के बाद स्पेन की उप प्रधानमंत्री कार्मेन काल्वो को रविवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका कोरोना वायरस का टेस्ट कराया गया है, लेकिन अभी तक इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। स्पेन में पिछले चौबीस घंटों में 462 और लोगों की मौत हुई है। वहां मरने वालों की संख्या 2,182 हो गई है। संक्रमित लोगों की संख्या का आंकड़ा 33,089 पर पहुंच गया है।

- **गाजा पट्टी और सीरिया में संक्रमित मरीजों के मिलने के बाद संयुक्त अरब अमीरात ने सभी तरह की यात्री और ट्रांजिट उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है।**
- **अफगानिस्तान में रविवार को पहली मौत हुई। वहां पर अभी तक संक्रमण के 34 मामलों की पुष्टि हुई है**
- **पश्चिम एशिया में संक्रमण के 26,800 मामलों की पुष्टि हुई है। अकेले 23,049 मामले ईरान के हैं।**
- **सऊदी अरब के किंग सलमान ने शाम से सुबह तक कर्फ्यू का एलान किया है। यह आदेश 21 दिनों तक लागू रहेगा। सऊदी अरब में 511 संक्रमण के मामले सामने आए हैं।**
- **हांगकांग ने मंगलवार आधी रात से सभी गैर नागरिकों के आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही बार और रेस्तरां को शराब परोसने से मना कर दिया गया है।**

### दक्षिण कोरिया में नए मामलों में कमी

**सियोल, आइएएनएस :** दक्षिण कोरिया में 111 लोगों की मौत की वजह बने कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में कमी आई है। देश के रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र ने बताया कि रविवार को संक्रमण के नए मामलों की संख्या 64 रही। यह 29 फरवरी को सामने आए 909 मामलों की तुलना में सबसे कम है। देश में वायरस की चपेट में अब तक 8,961 लोग आ चुके हैं।

# जानकारी साझा नहीं करने पर ट्रंप ने जताई चीन के प्रति नाराजगी

**वाशिंगटन, प्रेट्र :** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह चीन से 'थोड़ा सा नाराज' हैं क्योंकि चीन ने कोरोना वायरस की जानकारी साझा करने में देरी की।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'उन्हें इसके बारे में हमें बताना चाहिए था। मैं चीन से थोड़ा सा नाराज हूं। मैं ईमानदारी से कह रहा हूं क्योंकि मैं चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को पसंद करता हूं और उनका व उनके देश का सम्मान करता हूं।' ट्रंप ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग से 'विशेष तौर पर' पर अमेरिकी टीम को चीन भेजने पर बात की थी, लेकिन चीन के राष्ट्रपति ने इससे इन्कार कर दिया। हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि शी के साथ उनकी यह बातचीत कब हुई थी। ट्रंप ने कहा कि 'अहंकार की वजह से' चीन नहीं चाहता था कि अमेरिका अपने लोगों को वहां भेजे। उन्होंने कहा, 'अमेरिका और चीन के बीच संबंध काफी अच्छे हैं। मेरा बस यह कहना है कि काश वह हमें तीन महीने पहले ही इस समस्या के बारे में बता देते। हम इसके बारे में नहीं जानते थे। वे जानते थे और उन्हें हमें बताना चाहिए था। हम कई जिंदगियां बचा सकते थे।'

कहा, वायरस की जानकारी साझा करने में देरी की

**राष्ट्रपति ने कहा, हम युद्ध जैसे हालात में :** राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मैं अमेरिकी जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इस अदृश्य दुश्मन को पूरी तरह से हराने के लिए रोजाना हम वे सभी चीजें कर रहे हैं जो हम कर सकते हैं। देखा जाए तो हम युद्ध जैसे हालात में हैं।' उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन की कोरोना वायरस से बेहद प्रभावित स्थलों के रूप में पहचान की गई है। न्यूयॉर्क में नेशनल गार्ड की तैनाती को भी मंजूरी दे दी गई है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पूरे देश में कोरोना वायरस से प्रभावित स्थलों पर आपात चिकित्सा केंद्र बनाने के आदेश दिए हैं। कैलिफोर्निया के आठ चिकित्सा केंद्रों में 2,000 बिस्तर होंगे। वहीं, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन राज्य में चार चिकित्सा केंद्र होंगे और इनमें से प्रत्येक में 1,000-1,000 बिस्तरों की व्यवस्था होगी।

## न्यूयॉर्क बना महामारी का केंद्र

न्यूयॉर्क टाइम्स से

**न्यूयॉर्क :** कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आने के तीन हफ्ते बाद अमेरिका का न्यूयॉर्क राज्य अब इस महामारी का केंद्र बन गया है। अमेरिका के इस प्रमुख राज्य में ही 15 हजार से ज्यादा पॉजिटिव मामले पाए गए हैं और 114 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि पूरे अमेरिका में अब तक कुल करीब 34 हजार लोग संक्रमित पाए गए हैं और 400 से ज्यादा की जान जा चुकी है। कोरोना के प्रकोप पर अंकुश लगाने के प्रयास में हर तीसरे अमेरिकी को घर में ही रहने को कहा गया है।

अमेरिका के न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया समेत सात राज्यों में आवाजाही और कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। इससे करीब दस करोड़ लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि न्यूयॉर्क, कैलिफोर्निया और वाशिंगटन कोरोना वायरस के तीन प्रमुख स्थल बन गए हैं। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने चिकित्सा आपूर्ति बढ़ाने और जमाखोरी करने वालों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने रोगियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर न्यूयार्क के उपनगरों में तीन अस्थायी अस्पताल बनाने का भी निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि न्यूयार्क के सभी अस्पताल मरीजों से भर गए हैं।

**ढाई लाख अमेरिकियों की जांच :** कोरोना वायरस टास्क फोर्स के प्रमुख और उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने बताया कि अब तक ढाई लाख से ज्यादा अमेरिकियों की जांच की जा चुकी है।

**रिपब्लिकन सीनेटर भी पीड़ित :** अमेरिका की सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर रैंड पॉल भी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उनका टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। वह संक्रमित होने वाले संसद के ऊपरी सदन सीनेट के पहले सदस्य हैं। इस बीच, समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, अमेरिका के न्याय विभाग ने कोरोना वैक्सीन बेचने का दावा करने वाली एक वेबसाइट को बंद करा दिया है।

## अमेरिका मदद करना चाहता है तो प्रतिबंध हटाए : ईरान

**दुबई, रायटर :** ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने कहा है कि अगर अमेरिका कोरोना की महामारी से लड़ने में मदद करना चाहता है तो उसे प्रतिबंध हटा लेने चाहिए। रूहानी ने सोमवार को फिर स्पष्ट किया कि मानवीय सहायता के तौर पर अमेरिकी मदद के प्रस्ताव को स्वीकार करने का उनका कोई इरादा नहीं है। ईरान कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में है। अब तक वहां 1,812 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान 127 लोगों की मौत हुई और संक्रमण के 1,411 नए मामले सामने आए।

रूहानी ने अपने टीवी संबोधन में कहा, 'अमेरिकी नेता झूठ बोल रहे हैं। अगर वह ईरान की मदद करना चाहते हैं तो उन्हें प्रतिबंध हटा लेने चाहिए। इसके बाद ही हम कोरोना वायरस के प्रकोप से निपट सकते हैं।' रूहानी ने परोक्ष रूप से अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा, आपने ही ईरान के तेल निर्यात को अवरुद्ध किया और आपने ही ईरान के बैंकिंग लेनदेन पर प्रतिबंध लगाया। आपका सहायता प्रस्ताव इतिहास का सबसे बड़ा झूठ है। रूहानी ने अमेरिकियों से ईरान पर प्रतिबंध हटाने के लिए ट्रंप प्रशासन पर दबाव डालने की भी अपील की।

बता दें कि अमेरिका ने ईरान को मानवीय सहायता की पेशकश की थी, लेकिन ईरान के शीर्ष नेता आयतुल्ला अली खामनेई ने रविवार को इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्री मुहम्मद जवाद जरीफ ने ट्वीट किया, अमेरिका कोविड-19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को बाधित कर रहा है।

# पाकिस्तान में खुली महामारी से लड़ने के इंतजामों की पोल

- **सऊदी अरब से लौटे अधेड़ की एयरपोर्ट पर नहीं की गई मेडिकल स्क्रीनिंग**
- **गांव पहुंचने पर दी गई भव्य दावत, एक सप्ताह बाद मौत**

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के कारण बड़ी संख्या में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं। क्वेटा शहर की इस तस्वीर में उन्हें भोजन वितरित किया जा रहा है। पाकिस्तान में कोरोना सांक्रमितों की संख्या आठ सौ के करीब हो गई है। एपी

**पेशावर, रायटर :** पाकिस्तान में कोरोना से हुई पहली मौत ने महामारी से लड़ने के उसके इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। पचास वर्षीय सादात खान नामक यह व्यक्ति नौ मार्च को उमरा करके सऊदी अरब से लौटा था, लेकिन एयरपोर्ट पर उसकी मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं की गई। इतना ही नहीं जब वह अपने गांव पहुंचा तो ग्रामीणों ने ना केवल उसका गर्मजोशी से स्वागत किया बल्कि एक भव्य दावत भी दी गई, जिसमें दो हजार लोगों ने हिस्सा लिया था। पाकिस्तान में अब कोरोना संक्रमितों की संख्या आठ सौ के पार हो गई है। अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है।

सादात की मेडिकल हिस्ट्री के मुताबिक वह नौ मार्च को मक्का से पाकिस्तान लौटे थे। गांव के लोगों के मुताबिक उनकी तबीयत खराब थी, इसके बावजूद पेशावर एयरपोर्ट पर उनकी कोई मेडिकल स्क्रीनिंग नहीं की गई। तबीयत ज्यादा खराब होने पर वह 16 मार्च को जिला अस्पताल गए और खांसी, बुखार और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की। डॉक्टरों ने उनका टेस्ट किया और नमूने को जांच के लिए इस्लामाबाद भेजा। 18 मार्च को उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि डॉक्टरों ने उन्हें आइसोलेशन में जाने को कहा था, लेकिन वह घर चले गए और अंत तक पत्नी, तीन बेटों, दो बेटियों और चार पोते-पोतियों के साथ रहते रहे।

**गुलाम कश्मीर में युवा डॉक्टर की मौत**

गुलाम कश्मीर के गिलगिट क्षेत्र में कोरोना वायरस की चपेट में आकर युवा डॉक्टर उस्मा रियाज की मौत हो गई। वह दस सदस्यीय डॉक्टरों की उस टीम का हिस्सा थे, जिन्हें इराक और ईरान से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग के लिए तैनात किया गया था। गिलगिट-बाल्टिस्तान के चिलसा क्षेत्र के रहने वाले रियाज शुक्रवार रात घर आए थे, लेकिन शनिवार सुबह नहीं उठे।

## मिस्र में कोरोना से मेजर जनरल की मौत

**काइरो, एएनआइ :** मिस्र में कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आए मेजर जनरल खालिद शालतूत की मौत हो गई। वह संक्रमण की रोकथाम के लिए देशभर में चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा थे। मिस्र में सार्वजनिक संस्थानों और विभिन्न स्थलों को सैनिटाइज करने के अभियान में सेना को लगाया गया है। दस करोड़ की जनसंख्या वाले देश में कोरोना अब तक दस लोगों की जान ले चुका है। संक्रमित लोगों की संख्या 300 के करीब पहुंच रही है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने रविवार को टीवी पर जनता को संबोधित करते हुए कहा, लोग अगले दो हफ्ते तक घर में ही रहें और बाहर ना निकलें। जब तक संक्रमण का दौर गुजर ना जाए, लोग इसे गंभीरता से लें।

## जेल में बंद हॉलीवुड निर्माता विंस्टीन कोरोना पॉजिटिव

**वाशिंगटन, एएफपी :** न्यूयॉर्क की जेल में बंद हॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता हार्वे विंस्टीन का कोरोना वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है। दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामले में विंस्टीन को 23 साल की सजा हुई है। विंस्टीन के कोरोना वायरस से पीड़ित होने की खबर एक स्थानीय अखबार नियाग्रा गजट ने दी है, लेकिन विंस्टीन के प्रवक्ता और किसी भी सरकार अधिकारी ने इसकी पुष्टि से इन्कार किया है। ऑस्कर विजेता 'शेक्सपियर इन लव' फिल्म के निर्माता विंस्टीन पर एंजेलीना जॉली और सलमा हयाक जैसी अभिनेत्रियों समेत करीब 90 महिलाओं ने यौन शोषण का आरोप लगाया था।

हार्वे विंस्टीन। फाइल

## कर्फ्यू के कारण श्रीलंका में बढ़े घरेलू हिंसा के मामले

**कोलंबो, आइएएनएस :** श्रीलंका में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए कर्फ्यू के दौरान घरेलू हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। राजधानी कोलंबो स्थित नेशनल हॉस्पिटल के आपातकाल विभाग में आने वाले ऐसे मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। विभाग की हेड नर्स पुष्पा डे सोयसा ने बताया कि बीते शुक्रवार को देशव्यापी कर्फ्यू लगने के बाद अस्पताल में आने वाली कई महिलाओं ने घरेलू हिंसा की शिकायत की।

**कोशिश**

अमेरिका के तालिबान के साथ हुए शांति समझौते को पटरी पर लाना है मकसद, गनी और अब्दुल्ला से मिल मतभेद दूर करने का प्रयास किया

# अमेरिकी विदेश मंत्री अचानक पहुंचे काबुल

**काबुल, रायटर :** अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो सोमवार को अचानक अफगानिस्तान पहुंचे। उनकी यात्रा का उद्देश्य अमेरिका के तालिबान के साथ हुए समझौते को पटरी पर लाना है। जेल में बंद तालिबान कैदियों की रिहाई के सवाल पर इस समझौते में गतिरोध पैदा हो गया है। यह समझौता फरवरी में हुआ था।

पोंपियो सबसे पहले अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से उनके महल में जाकर मिले और हालात पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने गनी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला अब्दुल्ला से मुलाकात की। दोनों ही नेता खुद को अफगानिस्तान का असली नेता कहते हैं। सितंबर 2019 में हुए चुनाव को लेकर दोनों में मतभेद हैं। दोनों के मतभेदों के चलते सरकार वह टीम गठित नहीं कर पा रही है जिसे तालिबान के साथ शांति प्रस्ताव पर बात करनी है। पोंपियो की यात्रा का मकसद इन दोनों नेताओं के मतभेदों को खत्म कराना है और उनके बीच तालमेल स्थापित करना है जिससे तालिबान के साथ हुआ शांति समझौता आगे बढ़ सके। एक अधिकारी ने कहा है कि अगर ये मतभेद दूर नहीं हुए तो उनका शांति समझौते पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

29 फरवरी को दोहा में अमेरिका और तालिबान के बीच हुए शांति समझौते में अफगान सरकार शामिल नहीं है। अब जमीन पर इस समझौते को उतारने के लिए अफगान सरकार और तालिबान के बीच वार्ता होनी है। इस वार्ता की सफलता के बाद ही अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी होगी और शांति स्थापित होगी। अफगानिस्तान मामलों के अमेरिका के विशेष दूत जल्मे खलीलजाद समझौते के बाद अपना ज्यादातर समय काबुल में ही व्यतीत कर रहे हैं। वह तालिबान को वार्ता की टेबिल पर लाने के लिए अफगान जेलों में बंद कैदियों की रिहाई तेज कराने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप ने रिहाई की प्रक्रिया में विघ्न डाला है। अफगानिस्तान में 40 से ज्यादा कोरोना के मरीज सामने आ चुके हैं। पड़ोसी ईरान में कोरोना का भयंकर प्रकोप जारी है। ऐसे में अफगान सरकार सीमित साधनों का इस्तेमाल कर नागरिकों को बचाने का प्रयास कर रही है।

अफगानिस्तान दौरे पर पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से काबुल में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। रायटर

### कोरोना इफेक्ट...

यह तस्वीर अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में सुपर मार्केट की है, जहां जानलेवा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए कैशियर ने खुद को प्लास्टिक में कैद कर लिया है। सुपरमार्केट तो खोले गए हैं, लेकिन लॉकडाउन की वजह से ग्राहक नदारद हैं। एपी